वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 70 | गुरुवार 4 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदूषण मुक्त एवं हरित राजस्थान के लिए संकल्पित राज्य सरकार

राज्य भर में 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे

प्रत्येक पौधे को लगाए जाने से लेकर संरक्षण तक की लें जिम्मेदारी : सदस्य सचिव,राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदूषण मुक्त राज्य एवं हरित राज्य की संकल्पना को साकार करने के क्रम में लगातार सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी को बेहतर कल के साथ स्वक्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण दिया जा सके। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के तहत जहां व्यापक स्तर पर राज्य भर में पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है वहीं ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत लगाए गए पौधों से भावनात्मक जुड़ाव के तहत संरक्षण एवं संवर्धन की विशेष पहल की गयी है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने बताया कि राज्य को प्रदूषण मुक्त एवं हरित राज्य के रूप में एक आदर्श राज्य स्थापित करने के लिए अन्य विभागों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों के माध्यम से सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। इसके तहत अब मंडल द्वारा राज्यभर में क्षेत्रवार 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जायेंगे। उन्होंने बताया कि ये पौधे मुख्यतया उद्योगों एवं उनके आस-पास वाले क्षेत्र में लगाए जाएंगे ताकि औद्योगिक गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण से आस-पास के क्षेत्रों को प्रदूषण मुक्त किया जा सके। ये कार्य आमजन, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अन्य हितधारकों के माध्यम से किया जायेगा। जिसके लिए सम्बंधित क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रत्येक पौधे को लगाए जाने से लेकर संरक्षण तक की लें जिम्मेदारी

एन विजय ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य भर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा हरित प्रदेश की इस संकल्पना को साकार करने के क्रम में जो जोत जलायी गयी है, उसे साकार करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। अतः पौधारोपण का यह कार्य तब ही सफल होगा, जब लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी मूल कर्तव्य के रूप में ली जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक दिनचर्या में पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए ताकि आने वाले समय में राज्य न केवल एक हरित प्रदेश के रूप में स्थापित हो सकेगा बल्कि हम एक बेहतर कल की संकल्पना को शीघ्र ही साकार कर पाएंगे। सदस्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान, एक पेड़ माँ के नाम एवं वन क्षेत्र के बाहर वृक्षारोपण के साथ विभिन्न अवसरों पर विभिन्न विभागों द्वारा किया जा रहा पौधारोपण हरित प्रदेश की संकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अब आमजन को भी पौधारोपण के कार्यक्रमों से प्रेरणा मिली है और अधिकतर यह देखने में आ रहा है सामाजिक एवं मांगलिक कार्यों के अवसर पर भी पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से राज्य में पौधारोपण एवं वृक्ष संरक्षण के कार्य में वृहद स्तर पर जनभागीदारी दिखाई दे रही है, उससे प्रतीत होता है कि शीघ्र ही राज्य के वृक्षावरण में वृद्धि दर्ज की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा अपने घर, कॉलोनी एवं कार्यालयों को हरित बनाये रखने के उद्देश्य से न केवल पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है बल्कि आमजन को भी जागरूक कर रहे हैं।

करने का काम प्राथमिकता से किया जा रहा है।

खनिज संपदा आधारित उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

खनन क्षेत्रों में सस्ती व ग्रीन एनर्जी उपलब्ध कराने की तलाशी जाएगी संभावनाएं

जयपुर. कासं

खान सचिव आनन्दी ने खनन क्षेत्रों में सस्ती व ग्रीन एनर्जी उपलब्ध कराने की संभावनाएं तलाशने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। उन्होंने कहा कि सस्ती ऊर्जा उपलब्ध होने से प्रदेश में खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और प्रदेश की खनिज संपदा पर आधारित प्रसंस्करण उद्योग प्रदेश में ही लगने से ग्रीन एनर्जी के साथ ही रोजगार और राजस्व के अवसर बढ़ेंगे। आनन्दी बुधवार को सचिवालय में राजस्थान स्टेट गैस लि. के संचालक मण्डल की बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने आरएसजीएल के कार्य को और अधिक व नए क्षेत्रों में विस्तारित करने पर जोर दिया। आरएसजीएल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हमें लिक्विफाइड नेचुरल गैस की दिशा में भी आगे आना होगा। आनन्दी ने आरएसजीएल द्वारा थर्ड पार्टी सनमर्ग इंजीनियरिंग वेलिडेशन और एसेसमेंट द्वारा सुरक्षा मानकों को सुनिश्चितता के लिए कराई गई ऑडिट की सराहना की। उन्होंने डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए स्थानीय प्रशासन से समन्वय बनाने को कहा। आरएसजीएल के प्रबंध संचालक रणवीर सिंह ने बताया कि इस साल दो नए सीएनजी स्टेशन स्थापित करने के साथ ही डॉटर बूस्टर स्टेशन से चरणवद्ध तरीके से मदर स्टेशन और अब ऑनलाइन स्टेशनों में क्रमोन्नत किया जा रहा है ताकि आरएसजीएल के ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्राप्त हो सके। सिंह ने बताया कि आरएसजीएल लगातार लाभ में काम कर रहा है और वार्षिक कारोबार में भी उत्तरोत्तर बढ़ोतरी हो रही है। संचालक मण्डल की बैठक में आरएसजीएल के लेखों का अनुमोदन व भावी कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। बैठक में गैल गैस के प्रतिनिधि संजय कुमार और राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल्स के एमडी राजेन्द्र भट्ट ने भी सुझाव दिए।

इनरव्हील क्लब दो दिवसीय डिस्ट्रिक्ट असेम्बली का कोटा में आगाज

डिस्ट्रिक्ट कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

कोटा. शाबाश इंडिया

महिलाओं द्वारा स्वैच्छिक समाज सेवा करने वाली इनरव्हील डिस्ट्रिक–305 की डिस्ट्रिक्ट असेम्बली का आगाज सोमवार को कोटा में झालावाड़ रोड़ स्थित मुकुंदरा सरोवर प्रीमियर जगपुरा में आयोजित की गई। मीडिया कोऑर्डिनेटर निशा जैन ने बताया कि 02 दिवसीय कार्यशाला में डिस्ट्रिक्ट के 43 क्लबों की 410 महिलाओं ने हिस्सा लिया है जो मंथन कार्यशाला में सेवा की परिभाषा को समझेंगी और यहां से प्रोत्साहित होकर जनसेवा की मिसाल लिखेंगी। मेजबान क्लब इनरव्हील कोटा की अध्यक्ष चारू जैन व सचिव डॉ.नीता जैन ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनीता जैन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही। उन्होने डिस्ट्रिक्ट टीम को पद एवं सेवा की शपथ ग्रहण करवाई। डिस्ट्रिक अध्यक्ष पद स्वाति गुप्ता,डिस्ट्रिक्ट वाइस चेयरमैन पद पर बिंदु गुप्ता,सहायक चैयरमेंन के पद निशा खानपुर,सचिव वर्षा शाह,कोषाध्यक्ष पद रचना शाह,आईएसओ पर विनीता जैन और डिस्ट्रिक्ट एडिटर पद पर नीता निहलानी ने पद एवं सेवा की शपथ लेकर जनसेवा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम में एमओसी प्रीति अग्रवाल व वंदना अग्रवाल रही। इनरव्हील क्लब कोटा की कोषाध्यक्ष अर्चना अग्रवाल, आईओसी मीता मोदी और क्लब सी.सी. राजरानी श्रृंगी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निर्वहन किया।

सेलिब्रेशन लाइफ थीम के अंतर्गत होगी देश की सेवा

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनीता जैन ने जनसेवा के लिए क्लब को 'सेलिब्रेशन लाईफ की थीम दी है। जिसमें प्रत्येक शब्द में जनसेवा का भाव है। सी से आशय सवाईकल कैंसर प्रति जागरूकता,ई से आशय हमारी पहुंच का विस्तार और भागीदारी बढ़ाएँ पर जोर एल से आशय साक्षरता मिशन,कानूनी अधिकार & कानूनी शक्ति शिक्षा की जोर से है। वहीं ई से आशय इम्पायर वूमन व गर्ल्स,बी से आशय बिरिंग स्माईल व जॉय से है।इसी प्रकार सभी शब्दों के माध्यम से जनसेवा का लक्ष्य निर्धारित कर सभी क्लब को सौंपे गए है। उन्होने बताया कि वर्तमान में इनरव्हील 105 देश में कार्यशील है। भारत में 27 जिलों में 1200 क्लब और 40,000 से ज्यादा सदस्य हैं और पूरे विश्व में 1,25000 से ज्यादा सदस्य जुड़े हुए।

प्लास्टिक डिस्पोजल फ्री आयोजन

डिस्ट्रिक अध्यक्ष स्वाति गुप्ता ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण की बात कहते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व जो हीटवेव का समाना हमने किया है यह हमारे लिए संकेत है कि पर्यावरण की सुरक्षा कितनी जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक डिस्पोजल फ्री आयोजन रखा गया है।किसी भी महिला के पास पानी की बोतल तक नहीं दी गई है हम इस परम्परा को अपनी मीटिंग में भी अपनाते हैं। अब सदस्यों की आशा करते है कि घरों में से प्लास्टिक बोतल को दूर करें। उन्होंने कहा कि हमारे हर मेम्बर के घरों में गिला कचरा व सूखा कचरा अलग–2 करने की मुहिम को शुरू से पूरा किया जा रही है। स्वाति गुप्ता ने बताया कि डिस्ट्रिक 305 में 58 सक्रिय क्लब के 2199 सदस्य है। जिसमें गुजरात,मध्यप्रदेश व राजस्थान के क्लब शामिल है।

पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम

क्लब अध्यक्ष चारू जैन ने बताया कि क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए 800 कपड़े के थैले बनाए गए है। जिन्हे कोटा में विभिन्न व्यापारियों को निशुल्क सौंपे जाएंगे।क्लब की ओर 100 डस्टबिन सूखे व गीले कचरे के शहर के मंदिरों में लगाए जाऐंगे। इसी के साथ महिला सशक्तिकरण को बल देने के लिए 11 सिलाई मशीन भी भेंट की जाएगी। सचिव डा.नीता जैन ने बताया कि क्लब ने महिला सदस्यों के लिए बीएमडी जांच शिविर भी आयोजित किया जिसमें डॉ.निधि बरथूनिया ने अपनी सेवाएं दी। उन्होने बताया कि बोन मिनिरल डेंसिटी में हड्डियों की मजबूती जांच होती है।जिसमें 200 से अधिक महिलाओं ने जांच करवाई।

ज्ञानतीर्थ में 5 जुलाई को मुनि श्री प्रणम्यसागर जी का होगा मंगल प्रवेश

पूज्य मुनिश्री के सान्निध्य में होगा महामस्तकाभिषेक

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना । अर्हम योग प्रणेता जैन संत मुनिश्री प्रणम्यसागर महाराज ससंघ का ज्ञानतीर्थ पर 05 जुलाई को मंगल प्रवेश हो रहा है। ज्ञानतीर्थ पर विराजमान ब्रह्मचारिणी बहिन अनीता दीदी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार पूज्य आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज का अपने शिष्यों के साथ कुंडलपुर से आगरा की ओर मंगल पद विहार चल रहा है। ए बी रोड हाइवे पर स्थित ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में शुक्रवार 05 जुलाई को पूज्य मुनिश्री का ससंघ भव्य मंगल आगमन होगा। सभी भक्तगण मुरेना बैरियर पर एकत्रित होकर पूज्य मुनि संघ की अगवानी करेंगे। उन्हें बैंड बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा के रूप में ज्ञानतीर्थ ले जाया जाएगा। ज्ञानतीर्थ पर सौभाग्यशाली महिलाओं द्वारा पूज्य श्री की मंगल कलशों द्वारा अगवानी की जायेगी। ज्ञानतीर्थ पर प्रातः 07 बजे मंगल आगमन के पश्चात प्रातः 07.45 पर मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन होगें। तत्पश्चात मुनिश्री के पावन सान्निध्य में ज्ञानतीर्थ के शिखर पर विराजमान भगवान आदिनाथ के महामस्तकाभिषेक एवम शांतिधारा होगी। ज्ञानतीर्थ पर ही प्रातः 09.30 बजे आहारचर्या संपन्न होगी ।

हरित क्रांति पर झड़वासा में पौधरोपण की शुरूआत

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा में हरित क्रांति व पर्यावरण की शुद्धि के लिए पौधरोपण की शुरूआत मंगलवार को झड़वासा में सरपंच भंवर सिंह गौड ने ग्रामीणों के साथ राजीव गाँधी सेवा केंद्र पर पौधरोपण कर हरित क्रांति व पर्यावरण शुद्धि की के लिए झड़वासा में शुरूआत की है सरपंच भंवर सिंह गौड ने बताया की यह तो शुरूआत है अभी करीब 600 छायादार जिसमें अशोक, गुलमोहर, बरगद, पीपल व तुलसी के पौधे लगाये जायेंगे। इस अवसर पर बलबीर सिंह गौड, रामा, गोपाल, गुर्जर, दिनेश वैष्णव आदि उपस्थित थे।

सेन जयंती पर निकली शोभायात्रा

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बा स्थित सेन मंदिर में बुधवार को सेन जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी जिसमें भव्य कलश यात्रा के साथ शोभायात्रा आयोजित हुई । रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया गया । आयोजन समिति के सोनू सेन दिलीप सेन ने बताया कि सेन महाराज की जयंती के अवसर पर प्रात काल का विशाल कलश यात्रा आयोजित हुई । शोभायात्रा दोपहर नारायणी मंदिर से शुरू होकर नगर परिक्रमा की शोभायात्रा अंत मे नारायणी मंदिर पहुची जहां धर्म सभा मे परिवर्तन जिंसमे क्षेत्र से पधारे समाज के गणमान्य लोगों ने संबोधित किया । शोभायात्रा में क्षेत्र के सैकड़ों सेन समाज के लोगों ने हिस्सा लिया । रात्रि में 8:00 बजे भजन संध्या कार्यक्रम एव दोपहर में प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें समाज के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

एसबीआई बैंक का स्थापना दिवस मनाया

रामगंज मंडी. शाबाश इंडिया

एसबीआई शाखा कुदायाला रामगंज मंडी में सोमवार को बड़ी धूम धाम से मनाया गया। शाखा प्रब्धक घमंडी मीना ने ग्राहकों को बैंक के सभी जन कार्यों से परिचित करवाया जैसे सूर्या उदय योजना गोल्ड लोन होम लोन कार लोन सामजिक सुरक्षा बीमा आदि इस दोहरान ग्राहकों को मिठाईया भी वितरीत की गयी इस अवसर पर बैंक शाखा स्टाफ असिस्टेंट मैनेजर रुचि सिन्हा कैश ऑफिसर कुलदीप नागर ओर बैंक कर्मी कला बाई दुर्गा लाल मेघवाल तथा गाहक सेवा केद्र से लोकेश गौड़ गायत्री जी ओर विष्णु यादव की उपस्थित रहे जिन्होंने ग्राहकों को सभी बैंकिंग सेवाओ की जानकारी से अवगत कराया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति एवं सकल जैन समाज, अग्रवाल फार्म, जयपुर

मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट एवं कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट (रजि.)

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन
1 मार्च, 1952– 15 जुलाई, 2020

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन
(धर्मपत्नी श्री ज्ञान चन्द जैन) के चतुर्थ पुण्य स्मृति में

आइए करें रक्तदान जीवन के लिए

स्वैच्छिक रक्तदान एवं नि:शुल्क जाँच शिविर

रविवार, 07 जुलाई 2024

प्रात: 9:30 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

मुख्य अतिथि : डॉ. प्रेमचन्द बैरवा
उप मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार

दीप प्रज्वलन कर्ता: प्रो. इन्द्र प्रभ जैन–प्रो. मृदुला जैन

सभी रक्तवीरों को आकर्षक उपहार एवं प्रशस्ती पत्र से सम्मानित किया जायेगा।

राजेन्द्र जैन

स्थान: श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

1. सिद्धम ई.एन.टी. अस्पताल द्वारा नाक, कान, गले की जाँच 2. स्वास्तिक डायग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर द्वारा नि:शुल्क बी.पी. ब्लड शुगर, थायरॉइड जाँच 3. मनु श्री आई अस्पताल एवं यश ऑप्टिकल द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच

सोभागमल जैन, सलाहकार, महामंत्री दिगम्बर जैन महासमिति, मानसरोवर संभाग
पवन कुमार जैन (नगीना वाले), अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
शरद हिंगड़, कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट
सिद्ध कुमार सेठी, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ नव युवक मण्डल
श्रीमती भँवरी देवी जैन, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ महिला मण्डल
पंकज जैन, मुख्य संयोजक, विद्या-वसु पाठशाला, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
ज्ञानचन्द जैन, संयोजक एवं अध्यक्ष मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट

रक्तदान हेतु सम्पर्क करें:- 9414643144, 9314517649, 7793090000, 7014886189, 9314551550, 9351302142, 9413301367

वेद ज्ञान

दुख का मूल

भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। एक भिखारी हर रोज की तरह सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। कुछ दूर ही चला था कि अचानक सामने से राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। जैसे ही राजा भिखारी के निकट आया। उसने अपना रथ रुकवा लिया, लेकिन यह क्या राजा ने उसे कुछ देने के बजाय अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और उलटे उसी से भीख मांगने लगे। भिखारी को समझ ही नहीं आ रहा था कि वह करे तो क्या करे। खैर उसने अपनी झोली में हाथ डाला और जैसे-तैसे मन मसोस कर जौ के दो दाने राजा की चादर पर डाल दिए। राजा चला गया तो भिखारी भी दुखी मन से आगे चल दिया। उस दिन उसे और दिनों के मुकाबले कुछ ज्यादा ही भीख मिली, पर उसे खुशी नहीं हो रही थी। दरअसल उसे राजा को दो दाने भीख देने का बड़ा मलाल था। बहरहाल शाम को घर आकर जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। उसकी झोली में दो दाने सोने के हो गए थे। वह समझ गया कि यह सब दान की महिमा के कारण हुआ। उसे इस बात पर बेहद पछतावा हुआ कि काश, राजा को कुछ और दाने दान कर देता। वह समझ गया कि अवसर ऐसे ही लुके-छिपे ढंग से सामने आते हैं। समय रहते व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं पाता। यह मात्र कहानी नहीं है। जिंदगी की एक ऐसी सच्चाई है जिसे जानकर भी हम नहीं जानते जिसे समझ कर भी हम नहीं समझते। अंग्रेजी के विख्यात कवि वड्र्सवर्थ ने अपनी एक कविता में बड़े पते की बात कही है हम दुनिया में इतने डूबे हुए हैं कि प्रकृति से कुछ भी ग्रहण नहीं करते। उस प्रकृति से जो हमारी अपनी है। निन्यानबे के फेर में दुनिया के लेन-देन में अपनी सारी जिंदगी गुजार देते हैं। जिस दृष्टिकोण से जीवन का लक्ष्य बनाया है उसे पाने में जीवन की अधिकांश ऊर्जा लगाते हैं। सुख या दुख वस्तु के संग्रह से नापा जाने लगा है। अधिक से अधिक धन बटोरने की एक होड़ सी लगी हुई है। इसी होड़ में जीवन का वास्तविक अर्थ ही गुम होता जा रहा है। दुख का सबसे बड़ा कारण इच्छा या कामना ही है। चाहे हुए का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है।

संपादकीय

जीवों के डॉक्यूमेंटेशन से बढ़ीं उम्मीदें

पिछले कुछ दशक से पारिस्थितिकी संतुलन के संदर्भ में समूचे जीव-जगत के संरक्षण पर खूब बातें होती रही हैं। मगर इस तरह की बातों का कोई ठोस हासिल तभी है, जब जमीनी स्तर पर व्यावहारिक कदम उठाए जाएं और उसी के मुताबिक नीतिगत स्तर पर नई पहल किए जाएं। मसलन, धरती की आबोहवा बिगड़ने की चुनौतियों के समांतर जैव-विविधता और उसके संरक्षण के मसले पर अगर ध्यान दिया जाए, तो दुनिया में

पारिस्थितिकी से जुड़ी मुश्किलों को भी कुछ कम किया जा सकता है। इस लिहाज से भारत जीव-जंतुओं की विभिन्न प्रजातियों का दस्तावेजीकरण करने वाला पहला देश बन गया है। इसमें एक लाख चार हजार इकसठ प्रजातियों को शामिल किया गया है। यह सूची जीव प्रजातियों पर सबसे पहला व्यापक दस्तावेज है। इसका सबसे अहम संदेश यही गया है कि दुनिया भर में पर्यावरण में हो रहे बदलावों और नित नई खड़ी हो रही चुनौतियों के बीच भारत प्रकृति संरक्षण को लेकर केवल चिंता नहीं जताता, बल्कि वास्तविक सरोकार भी रखता है। जीव-जंतुओं की इस सूची में स्थानीय और संकटग्रस्त प्रजातियों के साथ ही सूचीबद्ध प्रजातियों को भी शामिल किया गया है। जलवायु परिवर्तन, मानवीय गतिविधियों और जीवनशैली की वजह से दुनिया भर में कई जीवों का अस्तित्व खत्म हो गया या फिर वे विलुप्त होने के कगार पर हैं। जबकि धरती पर जीवधारियों का होना या जैव-विविधता पारिस्थितिकी संतुलन के लिहाज से अनिवार्य है। किसी भी जीव के विलुप्त होने का सीधा असर पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। इस तरह की सूची बनाने का फायदा यह होगा कि इसके जरिए जीव-जंतुओं का सर्वेक्षण करके उनके लिए भरोसेमंद संरक्षण का इंतजाम और पर्यावरण से सबंधित सूचनाएं तैयार करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, पक्षियों की संख्या में आ रहे बदलाव, उन पर स्थानीय, क्षेत्रीय और महाद्वीपीय स्तर पर मौसम और भूपारिस्थितिकी के असर का आकलन भी किया जा सकता है। इस दस्तावेजीकरण के जरिए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और पर्यावरणविदों को सभी जीवों की सूची के वर्गीकरण के साथ-साथ इसके आधार पर प्रकृति के संरक्षण के लिए नीतियां बनाने की दिशा में ठोस पहल करने में मदद मिलेगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हृदयविदारक

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक धार्मिक समागम में भगदड़ मचने से सौ से अधिक लोगों की मौत एक भयावह घटना है। यह घटना इसीलिए घटी, क्योंकि इस समागम में अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग शामिल हुए और जब वे आयोजन के उपरांत जाने लगे तो अव्यवस्था के चलते भगदड़ मच गई। और लोगों ने ही एक-दूसरे को कुचल दिया। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि उत्तर प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, क्योंकि आमतौर पर यही देखने में आता है कि इस तरह के मामलों में कार्रवाई के नाम पर कुछ अधिक नहीं होता। इसी कारण रह-रहकर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और उनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी जान गंवाते हैं। इसके बावजूद कोई सबक सीखने से इन्कार किया जाता है। धार्मिक आयोजनों में अव्यवस्था और अनदेखी के चलते लोगों की जान जाने के सिलसिले पर इसलिए विराम नहीं लग पा रहा है, क्योंकि दोषी लोगों के खिलाफ कभी ऐसी कार्रवाई नहीं की जाती, जो नजीर बन सके। हाथरस में जिन बाबा के सत्संग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी, वह पहले पुलिस सेवा में थे और उनके आयोजन की देख- रेख उनके अनुयायी करते हैं। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी

खानापूरी करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा ? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन वर्ग के होते हैं? यह तय हैं कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या शोकाकुल होने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है।

नवीन सदस्यों का शपथग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। समाज सेवा मे अग्रणी संस्था जैन मिलन सेन्ट्रल के नवीन सदस्यों का शपथग्रहण एवं सम्मान समारोह भव्यता से संपन्न हुआ। समारोह मे भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची ने शाखा में सम्मलित हो रहे 11 नवीन सदस्यों को शपथ दिलाकर समाज सेवा मे अग्रणी बने रहने का संकल्प दिलाया, आपने सभी सदस्यों से सेवारूपी महायज्ञ में आहुति देने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष राकेश कांसल, विशिष्ट अतिथि महामंत्री राकेश अमरोद के कर कमलों से संस्था के सहयोगियों को सम्मानित कराया गया। समारोह का सफल संचालन राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री वीर महेंद्र कडेसरा ने किया स्वागत भाषण शाखा अध्यक्ष वीरेंद्र अथाईखेड़ा ने दिया। कार्यक्रम को आनंद गांधी,डॉ. पारस जैन,प्रमोद छाया ने भी सम्बोधित किया।आभार मंत्री सुनील जैन बेलई द्वारा प्रगट किया गया । कार्यक्रम में भारी संख्या में वीरबंधु-वीरांगनायें शामिल हुए और अंत में माधुर्य भोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

महावीर विहार कॉलोनी टीकमगढ़ मे वार्षिक कलश स्थापना महोत्सव सम्पन्न

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। नगर की महावीर विहार कॉलोनी टीकमगढ़ मे युग शिरोमणि परम् पूज्य आचार्य विद्यासागर जी महराज के परम प्रभावक शिष्य 108 मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज,108 मुनि श्री निश्चल सागर जी महाराज एवं नगर गौरव 108 मुनि श्री निरापद सागर जी महाराज ससंघ 3 पिच्छी का प्रथम भव्य नगर आगमन पर महावीर विहार कालोनी में बेंड बाजो के साथ विशाल जन समूह मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा।सुबह की मंगल वेला में पारसवीर पाठशाला का वार्षिक कलश स्थापना के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया गया एवं आचार्य भगवान विद्यासागर जी महाराज के छाया चित्र का अनावरण किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज ने आपने मंगल प्रवचनों मे कहा आज के इस भौतिक युग में धर्म के संस्कारों का लोप होता जा रहा है। भौतिक पढ़ाई हेतु कई विद्यालय मौजूद हैं, उनकी संख्या में प्रतिदिन वृद्धि भी होती जा रही है। बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ने के अवसर भी पा रहे हैं, पर क्या शांत, निर्मल, स्वच्छ, सुंदर जीवन, तनाव रहित जीवन का भी ज्ञान पाया? अपने धर्म के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी बिना कई बच्चे धर्म से विमुख भी होते जा रहे हैं। धर्मनिष्ठ संस्कारों से आत्मा को पल्लवित किए बिना धर्ममय जीवन संभव नहीं। 'सम्यगज्ञान' की ज्योति को विकसाने में संस्कार पाठशाला का विशेष योगदान होता है। धार्मिक शिक्षा के बिना संस्कारों का शुद्धिकरण संभव नहीं। ज्ञान की प्याऊ जैसी संस्कार पाठशाला, बच्चों को पवित्र पद पर स्थापित करती है।

जैन विधार्थियो का शिक्षा गौरव सम्मान समारोह आयोजित

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर। जोधपुर शहर क्षेत्र से कक्षा 12वी में सत्र 2023-24 सीबीएसई एवं आरबीएसई बोर्ड में जैन विधार्थियो के परिणाम में 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्त किए है उन विधार्थियो को शिक्षा गौरव सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया । आयोजक मुकेश नाहर ने बताया कि जैन विधार्थियो के प्रोत्साहन हेतु शिक्षा गौरव सम्मान समारोह सांय आई.टी.आई सर्कल स्तिथ होटल रेस्टर सिलेक्ट में आयोजित हुआ जिसमे विशेष सहयोगी के रूप में समाज सेवी ,युवा उद्यमी श्रेणिक जैन ,पारितोषिक प्रायोजक भामाशाह श्याम सा कुंभट एवं साथ ही सम्मान समारोह में अतिथि के रूप में न्यायाधीश प्रदीप जैन, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, एसीपी ट्रैफिक पुलिस रविन्द्र बोथरा, अभिनव कुंभट, समाजसेवी एवं भाजपा वरिष्ठ नेता गणपतलाल बांठिया एवं सारथी ट्रस्ट से कीर्ति भारती आदि गणमान्य की उपस्थिति में विधार्थियो को प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक राशि के रूप में चेक भेट किए गए, कार्यक्रम का पूर्ण संचालन अरुण सिंह चौहान ने किया । आयोजक टीम अभिषेक जैन, राजेश सिंघवी, महेंद्र लुनावत, अजय मेहता, राहुल धारीवाल आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाया ।

विमर्श जागृति महिला मंच की मीटिंग संपन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। विमर्श जागृति महिला मंच की मीटिंग का आयोजन थूबोंन भवन में किया गया। जिसमें आगामी 22 जुलाई को श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी ससंघ के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह में दिल्ली जानें का निश्चय किया गया । प्रतिमाह बैठक करने एवं एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही एक निर्धन कन्या के विवाह में आर्थिक सहयोग देने हेतु दानराशि एकत्रित की गई। मीटिंग में शाखा अध्यक्ष प्रीति मोहरी, मंत्री रूबी करैया, राष्ट्रीय प्रवक्ता स्मृति भारत, पूजा देरखा, इंद्रा बारी, पूजा तारई, साधना विमलश्री, सीमा बंसल, वर्षा सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थी।

वजन कम करने के लिए अपनाएं 30-30-30 का जादुई फॉर्मूला

खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी खानपान की वजह से आजकल बच्चे हो,महिला हो या बूढ़े हर कोई मोटापे की गिरफ्त में आ रहा है। चिंता की बात ये है की मोटापा अपने साथ कई तरह की खतरनाक बीमारियों को न्यौता देने का काम करता है। ऐसे में हर कोई यही जानना चाहता है की आखिर किन तरीकों को अपनाकर मोटापे से छुटकारा पाया जाए। इस लेख के माध्यम से आज हम आपको ऐसा फॉर्मूला बनाने वाले हैं जिससे महीनेभर में आपकी बॉडी से फैट गायब हो जाएगा और आपकी बॉडी एक परफेक्ट शेप में भी आ जाएगी। आइए जानते हैं की 30-30-30 का यह फार्मूला कैसे काम करता है और इसे आजमाते हैं।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

जानें क्या है 30-30-30 वेटलॉस का नियम

ब्रिटेन की न्यूट्रिशनल थैरेपिस्ट नेटली लुईस ने बताया की 30-30-30 वेटलॉस का नियम मेटाबॉलिज्म पर काम करता है। इस नियम को अपनाने से मेटाबॉलिज्म तेज हो जाता है। यही तेज मेटाबॉलिज्म आपका वजन बढ़ने से रोकता है। दरअसल इस नियम के अनुसार सुबह उठने के 30 मिनट के भीतर आपको 30 ग्राम प्रोटीन का सेवन करना है। इसके बाद 30 मिनट का समय एक्सरसाइज करने के लिए निकालना है। यह 30 मिनट की एक्सरसाइज कैलोरी कंट्रोल करने में आपकी मदद करेगी। कैलोरी कंट्रोल होने के साथ ही आप का मोटापा भी कम होना शुरू हो जाएगा।

इस नियम में नाश्ते में 30 ग्राम प्रोटीन का सेवन क्यों है जरूरी?

जब सुबह उठते ही कोई व्यक्ति नाश्ते में 30 ग्राम प्रोटीन का सेवन कर लेता है तो सारा दिन भूख के ऊपर कंट्रोल बना रहता है। साथ ही इससे चीनी खाने का मन भी कम करता है जिससे इंसुलिन रजिस्टेंस में भी मदद मिलती है। साथ ही यह प्रोटीन मसल्स को भी स्ट्रांग बनाता है। डाइट एक्सपर्ट्स के अनुसार सुबह के नाश्ते में प्रोटीन की इतनी मात्रा के साथ अन्य खाने की चीजों को भी शामिल किया जा सकता है जिससे शरीर को अन्य पोषक तत्व भी मिल सकें। 30-30-30 वेटलॉस फॉर्मूला में 30 मिनट की एक्सरसाइज भी अहम भूमिका निभाती है। रोजाना की गई 30 मिनट की एक्सरसाइज आपके फिटनेस गोल को अचीव करने में बहुत मदद करेगी। इसमें आप वॉकिंग, साइक्लिंग, स्विमिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से जुड़ी एक्सरसाइज को शामिल कर सकते हैं। रोजाना की गई एक्सरसाइज कैलोरीज को बर्न कर परफेक्ट बॉडी शेप की ओर आपके कदमों को बढ़ाने का काम करेगी। वहीं अगर आप किसी क्रोनिक डिजीज का शिकार हैं तो किसी भी एक्सरसाइज को दिनचर्या में शामिल करने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

खाने का पूरा लाभ उठाने के लिए लें 30 मिनट का समय

30-30-30 रूल के अनुसार आपको खाने में भी किसी तरह की हड़बड़ी मचाए बगैर 30 मिनट का समय अपने खाने के निश्चित करना जरूरी है। इस 30 मिनट में खुद को पॉजिटिव रखकर , संभव हो तो आलती पालती मारकर बैठना,आपको अपने खाने की हर टुकड़े का भरपूर लुफ्त उठाते हुए खाना है जिससे आपको उसका भरपूर फायदा मिल सके। खाना खाने के इस प्रोसेस को माइंडफुल ईटिंग कहा जाता है। इससे पाचन तंत्र सुचारु रूप से अपना काम कर पाता है। जिससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। साथ ही ध्यान रखें की खाना खाते समय टी.वी या मोबाइल न देखें और धीरे-धीरे चबाकर खाना खत्म करें। वेटलॉस के 30-30-30 नियम को फॉलो करते समय इन बातों का ध्यान रखना है बहुत जरूरी है कि हाई इंटेंसिटी वाली एक्सरसाइज करने से बचें। इससे मसल्स में खिंचाव आने से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रोटीन का सेवन बताई गई मात्रा के अनुसार ही करें,नहीं तो किडनी से समस्याओं को झेलना पड़ेगा। ब्लड शुगर से बचने के लिए नाश्ते में किसी भी तरह का मीठा खाने से परहेज करें। अगर 30-30-30 के नियम का पालन करते समय तबियत खराब हो गई है तो बीच में कुछ दिनों के लिए इस नियम को फॉलो करना छोड़ दें। इस नियम की शुरूआत 15-15-15 रूल के साथ करें। धीरे-धीरे आपका शरीर जब इस नियम के अनुसार ढल जाए तो आप इसका समय बढ़ा सकते हैं।

कुष्ठ प्रभावितों का राष्ट्रव्यापी अधिवेशन 18 जुलाई को

राज्यपाल करेंगे संबोधित

जयपुर. शाबाश इंडिया

कुष्ठ प्रभावितों एवं उनके परिजनों की वर्तमान स्थिति, रहन सहन एवं उनके पुनः स्थापन गतिविधियों में समुन्नति के लिए सार्थक मानव कुष्ठाश्रम प्रांगण में दिनांक 18 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। राज्यपाल कलराज मिश्र इस अधिवेशन में मुख्य अतिथि होंगे और प्रतिनिधियो को सम्बोधित करेंगे। अधिवेशन में आमंत्रित करने के लिए, सार्थक मानव कुष्ठाश्रम के एक शिष्ट मंडल ने आज राजभवन में राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने प्रस्तावित कार्यक्रम की रूपरेखा का अनुमोदन किया एवं इस अधिवेशन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करने की अपनी सहमति प्रदान की। शिष्ट मण्डल में सुरेश कौल, अध्यक्ष, सार्थक मानव कुष्ठाश्रम, भैरव दत्त, सचिव, आशा कौल, समाज सेविका एवं मुकेश शर्मा थे। इस अधिवेशन की अध्यक्षता राम नाईक, पूर्व राज्यपाल, उत्तर प्रदेश करेंगे। यह पहला अवसर है जब राजस्थान में कुष्ठ प्रभावितों के लिए इस तरह का राष्ट्रव्यापी अधिवेशन सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अधिवेशन में देश के विभिन्न कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति एवं उनके कल्याणार्थ कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

मुनि श्री 108 महिमा सागर जी महामुनिराज का ससंघ दुर्गापुरा मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में परम पूज्य मुनि श्री 108 महिमा सागर जी महामुनिराज, मुनि श्री 108 परम सागर जी, मुनि श्री 108 दिव्य सेन जी, आर्यिका श्री 105 सुग्रीवमती माताजी जी आर्यिका श्री 105 सुभद्रा मती माताजी क्षुल्लिका श्री 105 सम्यक मती माताजी का बुधवार दिनांक 03.07.2024 को श्री दिगंबर जैन मंदिर शक्ति नगर से विहार कर महावीर नगर मोड़ की डेयरी से भव्य जुलूस के रूप में गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ, इस अवसर पर कैलाश सौगानी जैन ध्वज वाहक रहे। मंदिर के द्वार पर महिला मण्डल ने सिर पर मंगल कलश से मुनि संघ की णमोकार महामंत्र से तीन प्रदक्षिणा की। ट्रस्ट कमेटी ने पाद प्रक्षालन कर आरती की। तत्पश्चात मंदिर जी में धर्म सभा में आर्यिका श्री 105 सुग्रीवमती जी आर्यिका श्री105 सुभद्रा मती माताजी के तथा मुनि श्री 108 महिमा सागर जी के मंगल प्रवचन हुए । प्रवचन के शुभारंभ में श्रीमती सुशीला काला व विनय पांड्या ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। शक्ति नगर जैन मंदिर के मंत्री पारस जैन के साथ समाज जन, महावीर नगर से पदम पाटनी, बाबूलाल जैन, अरुण जैन, महावीर पाटनी, महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया, संरक्षक चन्दा सेठी, रितु चांदवाड, रेणु पांड्या व समस्त कार्यकारिणी सहित श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। सभी अतिथियों का तिलक माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़, उपाध्यक्ष सुनील संगही, कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल, संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल, त्यागी व्रती व्यवस्था मंत्री महेन्द्र सेठी, सदस्य भाग चन्द बाकलीवाल द्वारा स्वागत किया गया। मंच संचालन ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला ने किया तथा सभी का आभार व्यक्त किया।

चित्रकूट कॉलोनी में गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू .भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का चित्रकूट कॉलोनी जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश के दौरान भक्तों ने घर-घर में गुरु माँ के चरण प्रक्षालन करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इसी बीच जैन जगत के गौरव अनिल बनेठा साहब ने अपने निवास स्थान पर गुरुमां के चरण प्रक्षालन एवं आरती कर जयकारों से गगन गुंजायमान कर दिया। माताजी की अगवानी में महिला मंडल ने बढ़ - चढ़ कर भाग लिया। भक्तों का उत्साह आसमान को छू रहा था। आर्यिका संघ ने मंदिर जी के दर्शन कर अभिषेक शांतिधारा कराई। तत्पश्चात प्रवचन सभा का प्रारंभ हुआ। इसी बीच जीतू जैन जयपुर ने मंगलाचरण कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - समाज के सातिशय पुण्य के उदय से ही संत समागम मिलता है । संतों के श्रद्धा पूर्वक एक बार दर्शन करने मात्र से 7 भव का कर्म नष्ट होता । उनके सान्निध्य में बैठने से 14 भव का , उनकी सेवा , वैयावृत्ति आदि से 21 भव का व प्रवचन का एक अक्षर भी हृदय में धारण कर ले तो 28 भव के कर्म नष्ट हो जाते हैं । इसलिए सन्त समागम हो तो भक्ति कर अपने पुण्य का भंडार भर लेना चाहिये ।

मध्यप्रदेश विधानसभा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी को भावभीनी विनयांजलि समर्पित की

भोपाल. शाबाश इंडिया। मध्यप्रदेश विधानसभा में महामहिम संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज को पुरे सदन ने स्मरण कर भावभीनी विनयांजलि समर्पित की। तारीख 1/7/24 सोमवार समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि विधानसभा सत्र मे सर्वे प्रथम जन प्रिय लोकप्रिय माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने कहा कि वे एक सर्व मान्य संत थे और उनका पूरा जीवन प्राणी मात्र के कल्याण के लिए समर्पित था इसी श्रृंखला में मां अहिल्या की नगरी के गौरव शाली केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी ने भी अपने संस्मरण सुनाते हुए उन्हें विनयांजलि समर्पित की एवं समस्त मंत्री एवं विधायक सदस्यों ने विनयांजलि दी विश्व जैन संगठन एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू मध्यप्रदेश सरकार से निवेदन करते हुए मांग करते हैं की मध्यप्रदेश सरकार केंद्र सरकार से मांग करें की महामहीम समाधिष्ट संत आचार्य श्री विद्यासागर जी को भारत रत्न देकर सम्मानित किया जाए एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा एक योजना आचार्य श्री विद्यासागर सागर जी के नाम से शुरू की जाए और मध्यप्रदेश विधानसभा भवन में महामहिम आचार्य श्री विध्यासागर जी का चित्र लगाया जाए।

अंतर्मना गुरुदेव 108 प्रसन्नसागरजी महाराज ने कहा...

अच्छे मित्र और सही दिशा देने वाला गुरू, सदगुरू मिल जाये तो पैदल की जिन्दगी भी बहुत आसान और मजेदार होगी

हैदराबाद

'घर के भगवान माता-पिता हैं। मंदिर में भगवान के चरण छूने से मोक्ष का द्वार खुलता है और घर में माता-पिता, सास- ससुर ही भगवान हैं। उनके चरण छूने से घर स्वर्ग बन जाता है।' उक्त उद्गार आगापुरा स्थित श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में आध्यात्मिक ज्ञान, ध्यान, शिक्षण, संस्कार शिविर में अंतर्मना गुरुदेव 108 प्रसन्नसागरजी महाराज ने व्यक्त किए। पूज्यश्री ने कहा कि जीवन में कोई ऐसा काम मत करना, जिससे तुम्हारे माता- पिता विरोधी हो जाएँ। जिन्होंने तुम्हें जन्म दिया, पाला-पोसा, पढ़ाया-लिखाया, जहाँ तुम आज हो उस योग्य बनाया और तुम अपने क्षणिक स्वार्थ में उनकी भावनाओं पर कुठाराघात करते हो। जीवन में सब कुछ पुण्य से ही मिलता है, इसलिए पुण्य संचय करो।थोडा बहुत शतरंज का आना भी जरूरी है मित्रो-कई बार सामने वाला, मोहरे चल रहा होता है, और हम जिन्दगी भर रिश्ते निभाते रह जाते हैं। एक सज्जन आये और बोले-आचार्य श्री आप ऐसा आशीर्वाद दें कि मरण सुधर जाये? मैं उस व्यक्ति की तलाश में हूं, जो यह कहे कि आचार्य श्री आप ऐसा आशीर्वाद दें कि जिससे जीवन सुधर जाये। मरण को सुधारने की चिन्ता मत करो, क्योंकि वो हमारे आपके हाथ में नहीं है। मौत जब भी आयेगी, वो तुम्हें बेहोश, गाफिल, मूर्छित करके ही आयेगी। तुम उस वक्त कुछ भी नहीं कर पाओगे। तन्त्र, मन्त्र, पंडित, ज्योतिषी, वैद्य, डाक्टर, हकीम ये कुछ भी नही कर पायेंगे। इसलिए मैं आप से कह रहा हूँ कि केवल अपनी जिन्दगी के बेश कीमती चन्द लम्हों को सार्थक कर लो, तो जीवन भी संभल जायेगा और मरण भी सुधर जायेगा। कौन कहता है कि बड़ी गाड़ियों में ही सफर अच्छा होता है। सच्चे रिश्ते-अच्छे मित्र और सही दिशा देने वाला गुरू, सदगुरू मिल जाये तो पैदल की जिन्दगी भी बहुत आसान और मजेदार होगी! उपाध्याय मुनि 108 पीयूषसागरजी महाराज ने शिक्षण शिविर में कहा कि रत्नत्रय ही मोक्ष का मार्ग है। आगापुरा स्थित श्री 1008 चन्द्रप्रभु जैन मंदिर में आध्यात्मिक ज्ञान, ध्यान, शिक्षण, संस्कार शिविर को संबोधित करते गुरुदेव 108 प्रसन्नसागरजी महाराज, उपाध्याय मुनि 108 पीयूषसागरजी महाराज, प्रवर्तक मुनि 108 सहजसागरजी महाराज। दर्शन (राइट फेथ), सम्यक ज्ञान (राइट नॉलेज), सम्यक चारित्र (राइट कंडक्ट), धर्म के ऊपर सही श्रद्धा, धर्म का सही ज्ञान, उस पर सही आचरण ही मोक्ष का पथ है। है। उपाध्यायश्री इन इन तीनों के बारे में शिक्षार्थियों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि घर के भगवान माता पिता हैं, मंदिर के भगवान जिनेंद्र देव हैं। उनके नित्य देव दर्शन करो, अभिषेक करो, चरण छुए बिना दर्शन के सम्यक दर्शन नहीं हो सकता। मात्र दर्शन से भी काम नहीं चलेगा। मंदिर में भगवान के चरण छूने से मोक्ष का द्वार खुलता है। घर में माता-पिता, सास ससुर ही भगवान हैं, उनके चरण छूने से घर स्वर्ग बन जाता है। अगर घर को स्वर्ग बनाना है, तो रोज सुबह उठकर उनके पैर छुओ। आपके माता पिता को न आपकी संपत्ति की जरूरत है, न गाड़ी की, आप तो बस सुबह उनके चरण स्पर्श करो, शाम को थोड़ी देर सेवा करो, प्यार से दो शब्द बोल दो, उनके लिए यही बहुत काफी है। आगापुरा जैन मंदिर में शिक्षण शिविर में नैतिकता और कर्तव्य का बोध कराते हुए प्रभावी वक्ता प्रवर्तक मुनि 108 सहजसागरजी महाराज ने कहा कि जिस कुल में तुमने जन्म लिया है, उसकी नाक कभी न कटने पाए, यह तुमको ध्यान रखना है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विस्तार पूर्वक समझाते हुए उन्होंने बताया कि जिन प्रतिमा ऊर्जा की बहुत बड़ी स्रोत हैं। 6 द्रव्य, 7 तत्व, 9 पदार्थों के बारे में भी उन्होंने जानकारी दी।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में वाणी जैन का हुआ सम्मान

ए. सी. सी. ओपन चेस टूर्नामेंट में पाया प्रथम स्थान

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में कक्षा 9 की छात्रा शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन ने ग्रीष्मकालीन अवकाश में ए. सी. सी. ओपन चेस टूर्नामेंट पोद्दार कॉलेज मानसरोवर जयपुर सी. पी. ए. कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं कैपाब्लॉका ओपन टूर्नामेंट दौसा, प्रथम जयपुर ओपन क्लासिकल फिडे रेटिंग चैस टूर्नामेंट 2024 में भाग लेकर रिकॉर्ड अपने नाम किये, साथ ही ओम मेमोरियल इंटरनेशनल चास मास्टर कैंप भी ज्वॉइन किया। इस सफलता को देखते हुए स्कूल प्रधानाचार्य अनू चौधरी ने सम्मानित किया। पी. ई. टी. डॉ. मोहन लाल चौधरी व सभी शिक्षकगणों ने बधाई एवम्-उज्जवल भविष्य की शुभकामनाये दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com